



■ केंद्रीय गृहमंत्री
अमित शाह बोले-
लालू-शबड़ी दाहुल
के पास, विकास का
कोई एजेंडा नहीं
- 12



■ केंद्रीय बैंक के
गवर्नर संजय
मल्होत्रा ने
कहा-आरबीआई
सावधानी से बढ़
इहा आगे - 12



■ एक डिग्री सेल्सियस
के 10वें हिस्से के
बाबर तापमान
बढ़ना भी अब
घातक - 13



■ भारत ए
मजबूत स्थिति
में, दक्षिण अफ्रीका
ए पर 112 रनों
की बढ़त बनाई
- 14



आज का मौसम
25.0°
अधिकतम तापमान
12.0°
न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.30
सूर्यस्त 05.21

मार्गीर्ष कृष्ण पक्ष तृतीया 07:32 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत् 2082

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर बोला हमला, कहा-1937 में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के कई अंश हटाए विभाजनकारी मानसिकता अब भी चुनौती

■ राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने पर एक साल तक मनाए जाने वाले स्मरणोत्सव की शुरुआत कर प्रधानमंत्री ने की टिप्पणियां

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर स्पष्ट रूप से हमला करते हुए शुक्रवार को कहा कि 1937 में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया गया था जिसने विभाजन के बीच बोये और इस प्रकार की विभाजनकारी मानसिकता देश के लिए अब भी चुनौती है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक साल तक मनाए जाने वाले स्मरणोत्सव की शुरुआत कर हटा दें ये बात कही। प्रधानमंत्री ने इसी अवसर पर यहां इंदिरा गांधी इनडॉर स्टेडियम में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया।

मोदी ने कहा, वंदे मातरम भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आवाज बन गया। इसने हर भारतीय की भावनाओं को व्यक्त किया। दुर्भाग्य से 1937 में वंदे मातरम के महत्वपूर्ण छंदों को... उसकी अत्मा के एक हिस्से को निकाल दिया गया। आज की पीढ़ी को यह जानने की जरूरत है कि राष्ट्र निर्माण के इस महामंत्र के साथ और विमला की भावना को साकार किया। आज भारत ने मानवता की सेवा में कमला और विमला को यह जानने की जरूरत है कि राष्ट्र निर्माण के इस महामंत्र के साथ यह अन्याय को हुआ, यह विभाजनकारी भी एजेंसी



राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्रधानमंत्री मोदी।

मानसिकता देश के लिए आज भी एक है। भारत की संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को अधिकारिक तौर पर वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया, जिससे अपनाने की सिफारिश की थी। प्रधानमंत्री के भाषण से वहले दिन में भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में अपने सांप्रदायिक एजेंडे को खुलकर आगे बढ़ाते हुए 1937 में 'वंदे मातरम' के केवल संक्षिप्त संस्करण को छोड़ में से केवल पहले दो को रखा गया था, 1937 में कांग्रेस द्वारा राष्ट्रीय गीत के रूप में चुना गया था। तब मौताना अबूल कालाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, लिखा, कांग्रेस ने गीत को धर्म से जोड़ने का सुधार चंद्र बोस, आचार्य नरेंद्र देव और रंगवंदनाथ टैगोर की एक समिति ने इसे अपनाने की सिफारिश की थी। प्रधानमंत्री के विभिन्न विवरणों के अनुसार, वंदे मातरम के एक हमारी सुक्ष्मा और सम्मान पर हमला करने का दुस्साहस किया तो दुनिया ने देखा कि छोड़ में से केवल पहले दो को रखा गया था। भाजपा प्रवक्ता के सवान ने 'एक्स' पर कांग्रेस द्वारा राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया था। भाजपा प्रवक्ता के सवान ने 'एक्स' पर प्रकाशित हुआ था।

आज चार नई वंदे भारत को दिखाएंगे हरी झंडी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार की शाम आपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। वह शनिवार 8 नवंबर को यहां से देश को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगत दें। इनमें सबसे प्रमुख दैन वाराणसी से खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस होगी, जो काशीशिंहोंगे और पूर्वार्धी को संकृति लोक दें। इनमें सबसे प्रमुख दैन वाराणसी से खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस होगी, जो काशीशिंहोंगे और पूर्वार्धी को संकृति लोक दें। इनकी इन ट्रेनों को बानरास (पूर्व मंडुवाड़ी) रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रखाना करें। इसके अलावा प्रधानमंत्री वीडियो कॉम्प्लिक्सिंग के माध्यम से तीन अन्य वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे।

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 नवंबर को प्रसादावित देहरादून दौरे से वहले शुक्रवार को जावाहानी के पटेल नगर कोतवाली क्षेत्र से पुलिस ने दो बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है।

एसएसपी अजय सिंह के निर्देश पर राजधानी में सघन सर्व अधियान चल रहा है। इस क्रम में पटेल नगर कोतवाली क्षेत्र से पुलिस ने दो बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। प्रधानमंत्री इन ट्रेनों को बानरास (पूर्व मंडुवाड़ी) रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रखाना करें। इसके अलावा प्रधानमंत्री वीडियो कॉम्प्लिक्सिंग के माध्यम से तीन अन्य वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे।

• दोनों महिलाएं पुस्पैठ कर दिल्ली से देहरादून पहुंचीं, शादी भी कर ली

14 बांग्लादेशी नागरिक अब तक हो चुके गिरफ्तार

एसएसपी अजय सिंह के निर्देश पर राजधानी में सघन सर्व अधियान चल रहा है। इस क्रम में पटेल नगर कोतवाली क्षेत्र से पुलिस ने दो बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। प्रधानमंत्री इन ट्रेनों को बानरास (पूर्व मंडुवाड़ी) रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रखाना करें। इसके अलावा प्रधानमंत्री वीडियो कॉम्प्लिक्सिंग के माध्यम से तीन अन्य वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे।

जहां से दोनों देहरादून पहुंचीं। स्वाति ने भारतीय नागरिक टैक्सी चालक धर्मवीर को फँसाकर शादी की, जिससे उसकी एक बांग्लादेशी नागरिक जावाहानी में अधैरे रूप से रहे मिनेपेर पर गिरफ्तार कर दिए गए जो बुके हैं। जबकि 7 अन्य बांग्लादेशीयों को अधैरे रूप से रहे मिनेपेर पर गिरफ्तार कर दिए गए जो बुके हैं। इनकी पहचान स्वाति उपाध्याय उत्तर मरियम पुरी स्थिरीक अक्षों ने एक दूसरे से मिलाएं। जिससे उसकी एक बांग्लादेशी नागरिक जावाहानी में अधैरे रूप से रहे मिनेपेर पर गिरफ्तार किया है।

जहां से दोनों देहरादून पहुंचीं। स्वाति ने

स्कूल-अस्पताल से आवारा कुत्तों और हाईवे से जानवरों को हटाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

● उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों को सार्वजनिक रूप से भोजन कराने पर भी रोक लगाई



शीर्ष कोर्ट ने कुत्तों के काटने की घटनाओं में बेतहाशा बोलते वोटों को देखते हुए आवारा कुत्तों के प्रवेश को रोकने के लिए दर्शक शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल, सार्वजनिक खेल परिसर, बस स्टेंड, डिपो और रेलवे स्टेशनों पर बाड़ लगाने का आदेश दिया है। साथ ही, हाईवे से आवारा जानवर हटाने की भी आदेश दिया है। न्यायालय ने मामले का दायरा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से आगे बढ़ाकर इसे पूरे भारत में लागू कर दिया है। आदेश का अनुसार आवारा कुत्तों के मामले में स्थानीय नियमों के अनुसार आदेश प्रत्येक विवरण के अनुसार आवारा कुत्तों के मामले में यह आदेश प्रतिक्रिया का रास्ता साफ हो गया है। न्यायालय ने मामले का दायरा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से आगे बढ़ाकर इसे पूरे भारत में लागू कर दिया है। आदेश का अनुसार आवारा कुत्तों के मामले में स्थानीय नियमों के अनुसार आदेश प्रत्येक विवरण के अनुसार आवारा कुत्तों के मामले में यह आदेश प्रतिक्रिया का रास्ता साफ हो गया है। न्यायालय ने मामले का दायरा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से आगे बढ़ाकर इसे पूरे भारत में लागू कर दिया है। आदेश का अनुसार आवारा कुत्तों के मामले में स्थानीय नियमों के अनुसार आदेश प्रत्येक विवरण के अनुसार आवारा कुत्तों के मामले में यह आदेश प्रतिक्रिया का रास्ता साफ हो गया है। न्यायालय ने मामले का दायरा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से आगे बढ़ाकर इसे पूरे भारत में लागू कर दिया है। आदेश का अनुसार आवारा कुत्तों के मामले में स्थानीय नियमों के अनुसार आदेश प्रत्येक विवरण के अनुसार आवारा कुत्तों के मामले में यह आदेश प्रतिक्रिया का रास्ता साफ हो गया है। न्यायालय ने मामले का दायरा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से आगे बढ़ाकर इसे पूरे भारत में लागू कर दिया है। आदेश का अनुसार आवारा कुत्तों के मामले में स्थानीय नियमों के अनुसार आदेश प्रत्येक विवरण के अनुसार आवारा कुत्तों के मामले में यह आदेश प्रतिक्रिया का रास्ता साफ हो गया है। न्यायालय ने मामले का दायरा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से आगे बढ़ाकर इसे पूरे भारत में लागू कर दिया है। आदेश का अनुसार आवारा कुत्तों के मामले में स्थानीय नियमों के अनुसार आदेश प्रत्येक विवरण के अनुसार आवारा कुत्तों के मामले में यह आदेश प्रतिक्रिया का रास

स्टेट ब्रीफ

राजत जयंती पर
राजभवन में कार्यक्रम

देहरादून: राज्य स्थापना के रजत जयंती

समारोह के अवसर पर राजभवन में

शुक्रवार को स्थापना कार्यक्रम हुआ।

इसमें राज्यपाल गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री

पुष्कर सिंह धामी, मंत्री, मंत्रियों के एवं

अन्य गणपात्र व्यक्तियों सहित वरिष्ठ

प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

इस दौरान, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने

राज्य सूचना आयोग की दो पुस्तकों का

विमोचन किया। राज्यपाल व सूचना ने

अपनी हांडा द्वारा लिखित 'हिस्ट्री ऑफ

उत्तराखण्ड' पुस्तक का भी विमोचन

किया। यह पुस्तक उत्तराखण्ड के समृद्ध

इतिहास और संरक्षित की सरल रूप में

बताती है। पुस्तक में कार्यवाही, चंद और

गढ़वाल गांवों से लेकर आज तक

की यात्रा शामिल है। लोक कथाओं पर

आधारित रूप से लिखा गया है। लोक कथाओं पर

आधारित रूप से लिखा गया है।

पदक विजेता प्रश्ना का

आज होगा सम्मान

देहरादून: शाइलेंड की राजधानी बैकॉक

में विश्व योनियर जुनियून विश्वनाथ

2025 में कार्य पदक विजेता प्रश्ना जोशी

का समान

आज शनिवार

दोपहर 2 बजे

स्थानीय परें

ग्राउंड में होगा।

उत्तराखण्ड

ओलंपिक संघ

के अध्यक्ष महेश नेहीं, जुनियून इंडिया के

निदेशक प्रशासन संस्थान जारी। मुख्यमंत्री

के मुख्य समन्वयक हरीश कांडोरी, क्रीड़ा

भारती के प्रदेश अध्यक्ष अरुण सूद,

डोंगिलाना गणराज्यालय के अध्यक्ष नरेंद्र नेहीं

सहित कई इस्तेवाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर के

खिलाड़ी द्वारा दौरान प्रजा जोशी के स्वागत

समारोह में उपस्थित होंगे।

विधायक ने किया विकास

कार्यों का शिलान्यास

लालकुआः विधायक डॉ. मोहन सिंह बिल

ने राज्य योजना के अंतर्गत करोड़ रुपए

के विविध परियोजनाओं के लिए विविध

प्रयोग के लिए विविध विविध

ब्रीफ न्यूज

मोटरसाइकिल ने मारी टक्कर चालक घायल

काशीपुर: चंपावत पुलिस लाइन निवासी हर्षिता बिट्टे ने आईटीआई शान पुलिस की तरीर रोपी। इसमें बताया कि वीती 16 संवाद बार की उसके पिता मोहन सिंह बिट्टे (45) अपने प्रियंक बंदन सिंह (43) के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर बाजपुर से शासीपुर की ओर आ रहे थे। मोटरसाइकिल दर्दन सिंह बता रहे थे। जैसे ही दो दोनों जैतरों मोड़ के पास पहुंचे। इसी बीच पीछे थी रही है। वर्ष 2014 के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों का जितना सरकारिकरण हुआ है वो अभूतपूर्व है। प्रधानमंत्री का मत है कि देश के किसान का आत्मविश्वास देश का सबसे बड़ा सामर्थ्य है। इसी को मूल मानकर केंद्र सरकार किसानों की दशा सुधारने और कृषि नीतियों को किसान के द्वारा बनाने का कार्य कर रही है।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री धामी

राज्य के रजत जयंती उत्सव के अवसर पर पंतनगर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बृहद कृषक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार का निरंतर ये प्रयास है कि दुनिया के बड़े-बड़े देशों के किसानों को जो आधुनिक सुविधाएं उत्पन्न हैं वो भारत के किसानों को भी मिलें। प्रधानमंत्री का संकल्प है कि हमारे किसान के लिए बीज से बाजार तक की यात्रा न केवल सुगम हो, बल्कि ये उसकी आय में वृद्धि करने पर राजनगर के द्वारा एक अमर्स एटर में मुकदमा दर्ज किया है। शासीव्यवस्था परापर वराने के मद्देनजर बृहस्पतिवार रात को पुलिस गश्त कर रही थी। तभी पांचिंग तिराहा, सिंडूरुल के पास से गंव रेखालखाता, चोरगलिया निवासी खुलात सिंह (21) और सिंडूरुल फेस-2 से गंव अनुलिया निवासी जासिफ (20) को रामपुरी चाकू के साथ गिरपत्रार किया है। पुलिस में पुलिस ने दोनों आरोपीयों के बिन्दुओं आस-एटर में मुकदमा दर्ज किया है। शासीव्यवस्था परापर वराने के मद्देनजर बृहस्पतिवार रात को पुलिस गश्त कर रही थी। तभी पांचिंग तिराहा, सिंडूरुल के पास से गंव रेखालखाता, चोरगलिया निवासी खुलात सिंह (21) और सिंडूरुल फेस-2 से गंव अनुलिया निवासी जासिफ (20) को रामपुरी चाकू के साथ गिरपत्रार किया है। पुलिस में पुलिस ने दोनों आरोपीयों के बिन्दुओं आस-एटर में मुकदमा दर्ज किया है। इधर, पुलिस ने गंव गोविन्दगढ़ निवासी अधिकारी सरदार को भी गैर जयंतीय अधिकारी की तीव्री के लिए गिरपत्रार किया है। पुलिस तीव्रों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई कर रही है।

डिवाइडर से बाइक टकराने पर सफाई कर्मी की मौत

बाजपुर: वार्ड नंबर-13 बाजपुर निवासी अधिकारी सिसोदिया पुरुष दौलत राम गुरुवार की कालाहूंडी अपनी दुआ के घर गया था। शुक्रवार को बाइक संख्या (यूके०१८/१९/१४) पर वापस अपने घर बाजपुर आ रहा था। बायां अकिंत (फाइल)।

उन्होंने कहा कि आज देशभर के 11 करोड़ किसानों को

चाय विक्रेता को पहले

पीटा, फिर काटा चालान

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: राजीव गंधी चाय विक्रेता को लात मारकर सामान फेंक दिया। बाद में दो लांचालक का 500 रुपये का चालान काट दिया। सुबह होने पर जब वीडियो वायरल हुई और चाय विक्रेता ने कुछ लोगों से शिकायत की तो इसकी भनक पुलिस को हुई। दोपहर के बज बुन्दुन: पुलिस वाले आये और सीसीटीवी फूटेज डिलीट हुआ। इस दौरान ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं कांग्रेस कार्यकारी उन्होंने चाय विक्रेता को धमकाते हुए कहा कि विक्रायत करना भारी पड़ा और फिर लांचाल के बाद धमकाकर डेला बंद करवा दिया।

हरीश कुमार नाम का एक व्यक्ति आवास विकास के भाजपा पार्टी की सहमति के बाद उसी की भूमि पर सड़क किनारे चाय का डेला लगाकर जीविका चलाता है। गुरुवार को न्याय सत बजे आवास विकास चौकी से



मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अग्रवाल को ज्ञापन सौंपते पूर्व विधायक महाजन।

पीएचसी दिनेशपुर व गूलरभोज में बैठते हैं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी के को

अप्रवाल ने बताया कि शासन से

महिला चिकित्सक की तैनाती न

होने से मरीज को गदरपुर- रुद्रपुर

निजी हॉस्पिटों में अधिक खर्च

कर इलाज करना पड़ रहा है।

किसानों के प्रतिनिधि मंडल ने की आरएफसी एवं आरएमओ से मुलाकात

किसानों की समस्याओं पर की गई चर्चा

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: किसानों के प्रतिनिधि मंडल से हुई वार्ता में आरएफसी मर्टेलिया एवं आरएमओ लाता मिश्रा द्वारा किसानों को आ रही दिक्कतों एवं तकनीकी वाधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत जानकारी दी और समस्याओं का शोध समाधान सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। वहाँ अधिकारियों से

मिले प्रतिनिधि मंडल में शामिल किसानों ने दोनों क्षेत्रों के किसानों को समय पर बेच सके। बताते चले कि बाजपुर में धान खरीद केंद्रों पर तौल व्यवस्था को लेकर आसानजस

की स्थिति बनी हुई थी। किसान जहां समय पर तौल न होने और तौल कंटों की गड़बड़ी को लेकर नाराज थे, वहाँ कोटा पूरा होने के चलते आ रही दिक्कतों का हवाला दे कर सहकारिता विभाग के कंटों पर तौल बंद कर दी गई थी और

शुक्रवार को हल्द्वानी पहुंचकर आरएफसी के अधिकारियों से

मिले प्रतिनिधि मंडल में शामिल

किसानों ने दोनों क्षेत्रों के किसानों

को आ रही दिक्कतों एवं तकनीकी

वाधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत

जानकारी दी और समस्याओं का

शोध समाधान सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। वहाँ अधिकारियों

को शिखाया गया। वहाँ अधिकारियों</p

सख्त होती सरकार

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दो पूर्व क्रिकेटरों की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति को 'प्रोसीड्स ऑफ क्राइम' यानी अपराध से अर्जित धन मानते हुए अटैच किया जाना, केवल एक जांचात्मक कार्रवाई ही नहीं, बल्कि एक गहरा संदेश है। यह कदम ऐसे समय में आया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा था कि ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर चल रहे जुट और स्टेबलोजी के कारोबार पर कड़ी कार्रवाई की जाए। जाहिर है, ईडी को यह कार्रवाई उसी सिलसिले की कड़ी है। बेशक, सरकार अब डिजिटल जुए के बढ़ते खतरे को अर्थात् अपराध की श्रेणी में लाने की दिशा में मजबूत कदम बहा रही है, जिसमें सेलिब्रिटी ब्रॉडिंग और क्रिकेट की लोकप्रियता के नाम पर चलने वाले अवैध प्लेटफॉर्म्स पर कड़ा शिकायत करने जा रहा है। इस कार्रवाई का अपराध न केवल खेल जगत पर, बल्कि मनोरंजन उद्योग और सोशल मीडिया इन्स्ट्रूमेंट्स पर भी गहराई से पड़ेगा। ऐसेसियं अब यह तय करने में लगी है कि कौन से ई-स्पोर्ट्स गेम 'स्किल बेस्ड' हैं और कौन-से 'चांस बेस्ड' यानी जुट की श्रेणी में आते हैं।

भारत में ऑनलाइन गेमिंग पर एकीकृत प्रभावी केंद्रीय कानून का अभाव है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69ए के तहत सरकार उन वेबसाइटों या ऐप्स को ल्यॉक कर सकती है, जो 'राष्ट्रीय सुरक्षा या जनरित के प्रतिकूल' हों, परंतु जुट और स्टेबलोजी को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी राज्य पर है। कुछ राज्य जैसे तमिलनाडु, केवल और तेलंगाना ने ऑनलाइन स्टेबलोजी पर पूर्ण प्रतिवधं लगाया है, जबकि कुछ में इसे 'रेग्लेल डंड एंटरटेनमेंट एक्टिविटी' के बतार अनुमति देती है। यहीं असमानता इस पूरे क्षेत्र को कानूनी धंधे में ढंगते रखती है। पूरी तरह बैन लगाने से भी यह समस्या समाप्त होगी, कहना कठिन है। इससे लोग ऑफलाइन प्लेटफॉर्म्स की ओर मुड़ सकते हैं, जहां भारतीय कानून को इन्यूनियन नहीं होता। इन विदेशी सार्टेस पर डेटा प्रोटेक्शन, आयकर या उपयोगिता अधिकारों की कोई गारंटी नहीं है। ऐसे में बैन के बजाय सख्त नियंत्रण और पारदर्शी नियमावली बनाना अधिक व्यावहारिक समाधान लगता है। बैन का एक महत्वपूर्ण पहलू आर्थिकी से जुड़ा हुआ है। ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री देश में लगभग 50,000 से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां देती हैं और अरबों रुपये का निवेश आकर्षित करती है। यदि सभी ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर समान रूप से प्रतिवधं लगाया गया, तो इससे न केवल रोजगार पर, बल्कि सरकार के कर राजस्व पर भी असर पड़गा, लेकिन इसके साथ यह भी सच है कि ऑनलाइन बेटिंग के माध्यम से मनी लॉइंग, काले धन के संग्रह और लालच, लत जैसी सामाजिक समस्याएं हुईं से फैल रही हैं, इसलिए सरकार को इस संदर्भ में संतुलित नीति बनानी होगी, जहां ई-स्पोर्ट्स जैसे कौशल-आपारित खेलों को बढ़ावा मिले, पर स्टेबलोजी और जुट के तत्वों को कड़ाई से दूरित किया जाए।

जरूरी है कि सरकार राष्ट्रीय स्तर पर एक समेकित कानून बनाए, जो ऑनलाइन स्किल बेस्ड गेमिंग और स्टेबलोजी के बीच स्पष्ट रेखा खींचे। साथ ही, ईडी को ऐसे मामलों में महं जसा नहीं बल्कि निवारक ढांचा तैयार करने की दिशा में काम करना चाहिए, तभी इस डिजिटल युग के 'आधारी जुट' से देश को निजात मिल सकती।

प्रसंगवद्ध

चुनाव में महज सियासी एजेंडा है बेटोजगारी

जब-जब लोकसभा या किसी राज्य में विधानसभा चुनाव का समय आता है तो अलग-अलग राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने तरीके से एडी चोटी का जारी लगाती हैं। आम जनता के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किन मुद्दों को लेकर ये अपनी उम्मीदवारी रख रही हैं। देश में बहुत सारी समस्याएं हैं, जिनका समाधान इन्हें वर्तने वाले से नहीं होता है। जनता त्रित है। आम जननास में गुस्सा भरा हुआ है। विहारी चुनाव में भी रोजगार को प्रमुख मुद्दा बनाया गया है, लेकिन पूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए, इसके साथी ही साथ प्राइवेट चांचों की परिवर्षणी पर भी बहुत अरप्त होती है। इसके साथी ही साथ प्राइवेट सेक्टर में तो हाल बहुत ही बुरा है।

बेरोजगारी हमेशा से बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। यों तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की बात कही जाती है, लेकिन युवाओं में फैली बेरोजगारी से हम आंखे नहीं मोड़ सकते। सरकारी नौकरियों में पदों की संख्या बहुत कम है। रिटायर होने वाले कर्मचारियों के स्थान पर भी नहीं बदल रहे हैं। लाखों पद खाली हैं, पर उनकी जगह संविदा या आउटसोर्स से ही काम चलाया जा रहा है, जिससे विभागों की कार्य प्रणाली पर भी बहुत असर पड़ा है। इसके साथी ही साथ अप्राइवेट चांचों की विवाही भी हो गी।

बेरोजगारी हमेशा से बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। यों तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की बात कही जाती है, लेकिन युवाओं में फैली बेरोजगारी से हम आंखे नहीं मोड़ सकते। सरकारी नौकरियों में पदों की संख्या बहुत कम है। रिटायर होने वाले कर्मचारियों के स्थान पर भी नहीं बदल रहे हैं। लाखों पद खाली हैं, पर उनकी जगह संविदा या आउटसोर्स से ही काम चलाया जा रहा है, जिससे विभागों की कार्य प्रणाली पर भी बहुत असर पड़ा है। इसके साथी ही साथ प्राइवेट चांचों की विवाही भी हो गी।

बेरोजगारी हमेशा से बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। यों तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की बात कही जाती है, लेकिन युवाओं में फैली बेरोजगारी से हम आंखे नहीं मोड़ सकते। सरकारी नौकरियों में पदों की संख्या बहुत कम है। रिटायर होने वाले कर्मचारियों के स्थान पर भी नहीं बदल रहे हैं। लाखों पद खाली हैं, पर उनकी जगह संविदा या आउटसोर्स से ही काम चलाया जा रहा है, जिससे विभागों की कार्य प्रणाली पर भी बहुत असर पड़ा है। इसके साथी ही साथ प्राइवेट चांचों की विवाही भी हो गी।

बेरोजगारी हमेशा से बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। यों तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की बात कही जाती है, लेकिन युवाओं में फैली बेरोजगारी से हम आंखे नहीं मोड़ सकते। सरकारी नौकरियों में पदों की संख्या बहुत कम है। रिटायर होने वाले कर्मचारियों के स्थान पर भी नहीं बदल रहे हैं। लाखों पद खाली हैं, पर उनकी जगह संविदा या आउटसोर्स से ही काम चलाया जा रहा है, जिससे विभागों की कार्य प्रणाली पर भी बहुत असर पड़ा है। इसके साथी ही साथ प्राइवेट चांचों की विवाही भी हो गी।

बेरोजगारी हमेशा से बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। यों तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की बात कही जाती है, लेकिन युवाओं में फैली बेरोजगारी से हम आंखे नहीं मोड़ सकते। सरकारी नौकरियों में पदों की संख्या बहुत कम है। रिटायर होने वाले कर्मचारियों के स्थान पर भी नहीं बदल रहे हैं। लाखों पद खाली हैं, पर उनकी जगह संविदा या आउटसोर्स से ही काम चलाया जा रहा है, जिससे विभागों की कार्य प्रणाली पर भी बहुत असर पड़ा है। इसके साथी ही साथ प्राइवेट चांचों की विवाही भी हो गी।

बेरोजगारी हमेशा से बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। यों तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की बात कही जाती है, लेकिन युवाओं में फैली बेरोजगारी से हम आंखे नहीं मोड़ सकते। सरकारी नौकरियों में पदों की संख्या बहुत कम है। रिटायर होने वाले कर्मचारियों के स्थान पर भी नहीं बदल रहे हैं। लाखों पद खाली हैं, पर उनकी जगह संविदा या आउटसोर्स से ही काम चलाया जा रहा है, जिससे विभागों की कार्य प्रणाली पर भी बहुत असर पड़ा है। इसके साथी ही साथ प्राइवेट चांचों की विवाही भी हो गी।

बेरोजगारी हमेशा से बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। यों तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की बात कही जाती है, लेकिन युवाओं में फैली बेरोजगारी से हम आंखे नहीं मोड़ सकते। सरकारी नौकरियों में पदों की संख्या बहुत कम है। रिटायर होने वाले कर्मचारियों के स्थान पर भी नहीं बदल रहे हैं। लाखों पद खाली हैं, पर उनकी जगह संविदा या आउटसोर्स से ही काम चलाया जा रहा है, जिससे विभागों की कार्य प्रणाली पर भी बहुत असर पड़ा है। इसके साथी ही साथ प्राइवेट चांचों की विवाही भी हो गी।

बेरोजगारी हमेशा से बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। यों तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की बात कही जाती है, लेकिन युवाओं में फैली बेरोजगारी से हम आंखे नहीं मोड़ सकते। सरकारी नौकरियों में पदों की संख्या बहुत कम है। रिटायर होने वाले कर्मचारियों के स्थान पर भी नहीं बदल रहे हैं। लाखों पद खाली हैं, पर उनकी जगह संविदा या आउटसोर्स से ही काम चलाया जा रहा है, जिससे विभागों की कार्य प्रणाली पर भी बहुत असर पड़ा है। इसके साथी ही साथ प्राइवेट चांचों की विवाही भी हो गी।

बेरोजगारी हमेशा से बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। यों तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की बात कही जाती है, लेकिन युवाओं में फैली बेरोजगारी से हम आंखे नहीं मोड़ सकते। सरकारी नौकरियों में पदों की संख्या बहुत कम है। रिटायर होने वाले कर्मचारियों के स्थान पर भी नहीं बदल रहे हैं। लाखों पद खाली हैं, पर उनकी जगह संविदा या आउटसोर्स से ही काम चलाया जा रहा है, जिससे विभागों की कार्य प्रणाली पर भी बहुत असर पड़ा है। इसके साथी ही साथ प्राइवेट चांचों की विवाही भी हो गी।

बेरोजगारी हमेशा से बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। यों तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की बात कही जाती है, लेकिन युवाओं में फैली बेरोजगारी से हम आंखे नहीं मोड़ सकते। सरकारी नौकरियों में पदों की संख्या बहुत कम है। रिटायर होने वाले कर्मचारियों के स्थान पर भी नहीं बदल रहे हैं। लाखों पद खाली हैं, पर उनकी जगह संविदा या आउटसोर्स से ही काम चलाया जा रहा है, जिससे विभागों की कार्य प्रणाल

चंद्राकार पर्वतों की नगरी

चं

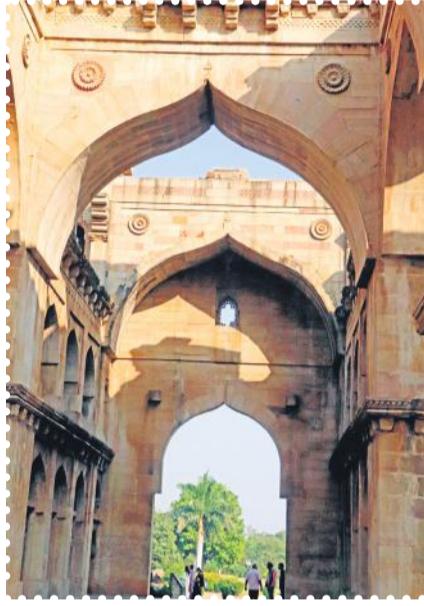
द्राकार पर्वतों की गोद में विश्व वर्षत शृंखला में आबाद मालवा का प्रवेश द्वार चंद्रेरी को अपनी शानदार विरासत के लिए यहां की कला एवं हस्तशिल्प को यूनेस्को की विश्व धरोहर की क्रियेटिव सिटी की सूची में नामित किया गया

सुरेंद्र अमिनाहोत्री
लखनऊ

है। ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध चंद्रेरी पर प्रकृति ने खूब मेहरबानी की है। प्रकृति की अनमोल धरोहरों वनों और झरनों की खुशबू से लेकर कला और पुरासंपदा, ऐतिहासिक किले चंद्रेरी को खास बनाते हैं। चेदि

राज्य की अतीत में राजधानी रही वर्तमान चंद्रेरी प्रतिहार वंश के प्रतापी राजा कीर्तिपाल की ऋणी है, जिनके शासनकाल में बूढ़ी चंद्रेरी के स्थान पर नई चंद्रेरी को दशमी/न्यायरही शताब्दी में बसाया गया था। महाभारत काल से काल के थपेड़े सहता रहा

यह नगर अभी भी रहस्य ही है। कवि कालिदास ने मेघदूत के विदिशा जाने वाले मार्ग पर प्राचीन नगरी के संदर्भ में भले ही स्पष्ट संकेत नहीं दिए, पर इतिहास बताता है कि गुप्तवंश, प्रतिहारवंश, मुस्लिम आक्रांताओं, बुदेला राजपूतों एवं सिधियाओं ने यहां पर शासन किया।



चंद्रेरी

वर्तमान चंद्रेरी नगरी को प्रतिहारवंश महाराज की तिपाल कुरुमदेव ने दसवीं और ग्यारही शताब्दी के बीच बसाया था। नगरी का विस्तार 30 मील तक का था। मुगलकाल में इसकी जनसंख्या 1 लाख 75 हजार बाहरी गई है, जिसके प्रत्याक्ष प्रमाण आज भी उत्तर-पश्चिम में बूढ़ी चंद्रेरी, हासारी, दक्षिण पूर्व में दंडी, बारी, ताई, पंचमनगर, दक्षिण-पश्चिम में थावोनी, सीतामढी, खावादा, बीला, चियोदात आदि हैं। इस समूचे क्षेत्र में पुरातत महत्व की विलु समाजी यत्र-तत्र विखरी हुई है। राजवास का कार्यालय में अनेक उद्कृष्ट श्रीं की निराम कार्य हुए हैं, जो ख्यात कला के अनुरूप प्रमाण हैं। शिलालेखों से पता चाहा है कि यहां स्थापित कला गुताकरी की है। चंद्रेरी नगरी के अनेक नवायिराम मंदिर, दर्शन, सराय, मकारे, बावडिया, महल एवं विलासी उद्देश्य द्वारा ये। चंद्रेरी नगरी 7 पर्यटकों के बीच बरी हुई थी, जिनमें अनेक प्रेमिय दरवाजा, मुख्य दरवाजों के नाम यथा- दिल्ली दरवाजा, ढोलिया दरवाजा, खिड़की दरवाजा, परखन दरवाजा, पिछारे दरवाजा, तेवाग का दरवाजा, बादल महल का दरवाजा, जैहरी दरवाजा एवं कठी घाटी दरवाजा के नाम से आज भी प्रतिलिपि है।

वीर भूमि बुदेलखंड की स्थापित कला का बोडोड स्थल- द्वितीय दुर्ग- द्वितीय के उस कालखंड का चंद्रेरी मुस्लिम आक्रांतों के रक्षण की शिकार बनी। चंद्रेरी राज्य का मुख्य प्रशासन द्वारा खीनी दरवाजा कलाता है। यह द्वार राज मंदीरीय की वीरगति का साक्षी है। 28 जनवरी सन् 1528 को बाबर ने पहाड़ों को काटकर महल किया था। यह स्थल कठी घाटी के नाम से प्रसिद्ध है। यह युद्ध के संदर्भ में बाबर द्वारा लिखित पुस्तक 'तुजक-ए-बाबरी' के अनुसार दिसंबर, 1527 में बाबर ने चंद्रेरी राज्य का सबसे सुदर्शन महल था। आज खंड-खंड हो चुका है। स्मृति शेष पायांग खंड अपने सुनरें दिनों को तजा किए हैं।

दर्शनीय स्थल

■ **चंद्रेरी का किला-** ग्यारही शताब्दी में कीर्ति पाल द्वारा निर्मित चार मील से अधिक लंबी चंद्रेरी की दीवार, चंद्रेरी के इतिहास की मुक्त साक्षी है। रक्षणों के अंदर बुदेलखंड स्थापत्य के नोखड़ा महल और हवा महल दर्शनीय हैं।

■ **जागेश्वरी देवी मंदिर-** यह प्राचीन मंदिर पर्वत की एक खुली गुफा में स्थित है, इसकी मूर्ति खरयोंहूँ। लोकश्रुति के अनुसार मां जागेश्वरी ने देखा के रुपान का स्वप्न में कठा था कि मुझे दो देखा हैं। दर्शन की तीव्रता के कारण तीसरे दिन द्वारा खोलने के कारण सिर्फ शीर्ष भाग ही मिला, जो मंदिर में स्थित है। मंदिर के पास बना आक्रमित करता ताला चंदेल कालीन कला का अनुपम उदाहरण है।

■ **बूढ़ी चंद्रेरी-** मौजूदा चंद्रेरी से 22 किमी की दूरी पर स्थित है। यह 55 जैन मंदिरों के अवशेष मिलते हैं।

■ **थूरन जी-** चंद्रेरी से 28 किमी की दूरी पर स्थित यह दिवंगवर जैन समाज के 16 जैन मंदिर हैं। निर्मित ही थूरोन नाम का एक ग्राम है, जहां भारतीय प्राचार विभाग का मूर्ति संग्रहालय तथा इसके आसपास दसवीं शताब्दी के अनेक जैन मंदिर उत्तराखणीय हैं।

■ **बैंही मठ-** चंद्रेरी से 18 किमी की दूरी पर दक्षिण-पूर्व में जंगलों के बीच स्थित यह मठ गुदकाल में तारिकों की सामानस्थली रहा है। इसके 16 सर्वों का पायर की बारीक कटाई से शेर, हाथी, मोर, घोड़े, हिरण, कमल के फूल एवं देवी देवताओं से सुसज्जित किया गया है।

■ **देवी प्रियंका-** चंद्रेरी से 12 किमी दूर देवी की एक लिलक्षण प्रतिमा है, जो अत्यंत प्राचीन एवं मनोमाहक है।

■ **खंडारमिति-** यह स्थल चंद्रेरी से 2 किमी की दूरी पर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। यहां पर सत्रही शताब्दी से लेकर सोलही शताब्दी तक की विशाल और भीमकाय शैल प्रतिमाएं बनी हुई हैं।

■ **दिल्ली दरवाजा-** इस विशाल एवं कलात्मक द्वार का निर्माण दिल्ली द्वारा जौरी ने 1411 में निर्मित कराया था। इस महल के नीचे एक विशाल ताला है, जहां हमेशा कमल के फूल खिले रहते हैं। यह तालाब बड़ा ही स्थानीक ताला है। इसका निर्माण होशंगाही गोरी ने 1433 ई. में कराया है।

■ **कौशल महल-** चंद्रेरी नगर से 4 किमी दूर फेहोबाद गांव के पास मालवा के सुल्तान महमूद शाह प्रश्न के द्वारा निर्मित 'कौशल महल' अपने अनुटी शैली के कारण मोहित करता है। चौकोर महल के चार प्रोत्तें द्वारा हैं। यह विशाल महल गांकार आक्रान शैली में बना है तथा स्थानीय कला का उत्कृष्ट नमूना है। इसका निर्माण मुद्दूर खिलों के जैनपुरी की जीत की खुशी में 1445 ई. में कराया था एवं इसका नाम कौशलकृपत मंजिल रखा था।

■ **बौद्धी बाबौदी-** चंद्रेरी में तीक्ष्णी दौर उत्तर-पश्चिमी दिशा में ताकालीन गवर्नर शेर खानों ने सुल्तान गोसुदीन खिलजी के आदेशनुसार 1485 ई. में बौद्धी बाबौदी का निर्माण कराया था। इसमें पानी का स्तर हां घाट पर बराबर रहता है। यह बाबौदी दौरों की 1200 बाड़ियों में विशेष स्थान रखती है।

■ **जौहर स्मारक-** चंद्रेरी के दक्षिण में चंद्रगिरि पर्वत के ऊपर, किले से समीप राज मंदिर के द्वारा निर्मित है। 1528 ई. में जब मुगल बादशाह बाबर ने महाराजा मंदीरी राज को प्रजित कर यह प्रसिद्ध दुर्ग शैली है। तब 1500 राजपूत वीरगानाओं में अपने सतीती की रक्षा के लिए जीवित ही अपने में समर्पित कर जौहर व्रत निभाया था। यह स्मारक इस घटना की गाँ

दिलाता है।



गलती से मिली सीख बनी सच्ची पहचान

आपबीती

वर्ष 1980 की बात है। पिता चंपावत जिले के सूदर गंव तकुली के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। मैं तब कक्षा एक में था। शाम के समय पिता जी खाना बनाने की तैयारी करते और मैं पास ही बैठकर बीबीती रेडियो पर समाचार लाना करता। उन्होंने मुझे एक एलास देकर कहा कि समाचार में जिस दिन देश का नाम आए, उसे नक्शे पर खोजकर दिखाना है। यह रोजाना का क्रम था। एक दिन वेस्टइंडीज के क्रिकेट मैच की चर्चा चल रही थी। मैं नक्शे में उसे ढूँढ़ने लगा, पर कहीं नहीं मिला, जब मैंने पिता जी को बताया कि यह देश नहीं मिल रहा, तो उन्होंने गुस्से में एक थप्पड़ लगा दिया। बाद में जब खुद उन्हें भी वेस्टइंडीज नहीं मिला, तो वे सच्ची पहचान हुए। अगले दिन वे पास के जूनियर अस्कूल गए, जानकारी जुटाई और विद्यालय में सीख के साथ साझा की। तभी उन्होंने सिखाया कि गलती का बदला तो वहां पहचान होती है। वेस्टइंडीज कोई देश नहीं, बल्कि कैरिबियां ही हैं। जो खेलों में एक इकाई के रूप में भाग लेते हैं। यह ज्ञान तो बाद में मिला, पर उस घटना ने मुझे सच्ची दी कि सच्ची शिक्षा वही है, जो जिजास का जीवित रखे। और सत्य की खोज में इमानदारी बरते। एक और घटना मेरे बचपन की यादों में दर्ज है। जब मैं कक्षा तीन में था, पिता जी ने मुझे ब्लॉकबॉर्ड पर गणित का सावाल हल करने को कहा-एक भैंस का मूल सात सौ पचास रुपये हैं। मैंने लिखा

डॉ. नरेंद्र सिंह
सिजालानी
असिस्टेंट
प्रोफेसर
एम्प्रीजी कॉलेज,
हल्द्वानी

लव बाइर्स

लस्सी पर किया प्रपोज

दोस्त की तरह संभालना। कितना कुछ था, जो सिर्फ "प्रेम" शब्द में परिभ्राषित नहीं हो सकता था।

"ठीक है पर अगर तुम मुझसे शादी करती हो, तो तुम्हें खुश रखेंगा।" लड़के ने अंतिम बात कहकर आंखों पर चश्मा लगाते हुए वेटर को बिल लाने का इशारा किया।

लड़की जानती थी, एक तरफ बैंगले वाला अंतर लड़का है और दूसरी तरफ उसका थोड़ा-पांच अंतर है। जब यह बाबू जैनपुरी की जीत की खुशी में बोलता है। लड़की ने ज

